पाठ 6

चींटी और हाथी

33P4B6

सूँड़ जंग धक्का–मुक्की फूँक बित्ता जुगत अक्ल

एक रानी चींटी थी। भोजन की तलाश में वह रोज जंगल जाती। सभी चींटियाँ उसके साथ जातीं।

उस जंगल में एक हाथी रहता था। वह दिनभर घूमता रहता था। कभी इस पेड़ को तोड़ता, कभी उस पेड़ को तोड़ता। कुछ खाता, कुछ फेंक देता। लंबी सूँड़ में पानी भरता और नहाता। दूसरे जानवरों को पानी से भिगोता। जानवरों से वह धक्का–मुक्की भी करता, चींटियों को मसल देता। सभी उससे डरते थे। उससे कोई कुछ न कहता। हाथी से सभी तंग थे।

एक दिन की बात है। रानी चींटी हाथी से मिली। वह बोली, "तुम दूसरों को सताते हो, यह ठीक नहीं।"

हाथी बोला, "चुप रह! छोटी–सी जान, बित्ता भर जुबान। मेरी मर्जी, मैं चाहे जो करूँ।

रानी चींटी बोली–''शेर जी से कह दूँगी।''

हाथी हँसकर बोला,

''शेर से क्या कहेगी ?

वह मेरे दम पर मुखिया है।''

रानी चींटी चुप हो गई। वह घास में जाकर छिप गई। हाथी इधर– उधर घूम रहा था।

रानी चींटी चुपके से उसकी सूँड़ में घुस गई। हाथी अपनी मौज में था। चींटी सूँड़ के अंदर घुसती ही गई।

अब रानी चींटी ने हाथी की सूँड़ को काटना शुरू किया। हाथी परेशान होने लगा। उसने जोर–जोर–से सूँड़ पटकी। फूँक लगाई। कोई जुगत काम न आई। रानी चींटी ने काटना बंद नहीं किया। हाथी चीख पड़ा।

तब रानी चींटी बोली, "आया मजा बच्चू! अब क्यों रोते हो ? आई नानी याद ?"

रानी चींटी हाथी को काटती रही। हाथी गिर पड़ा। बोला, ''चींटी रानी, चींटी रानी! माफ करो, माफ करो। अब किसी को नहीं सताऊँगा। किसी को छोटा न मानूँगा।'' रानी चींटी ने सोचा, "हाथी को अब आई अक्ल"। रानी चींटी सूँड़ से बाहर आई; बोली, ''हाथी दादा! हाथी दादा! जमाना बदल गया है।''

हाथी ने सूँड़ उठाकर हामी भरी।

शिक्षण संकेत – पाठ में निहित उद्देश्य एवं मूल्य को बच्चों को समझाएँ। अन्य छोटी–छोटी कहानियों से बच्चों में सुनने की क्षमता विकसित करें। स्थानीय परिवेश को ध्यान में रखते हुए कहानी में निहित मूल्यों का ज्ञान कराएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

सताना	=	तंग करना	मौज	=	मस्ती
जुबान	=	जीभ	जुगत	=	तरकीब, उपाय
मर्जी	=	इच्छा	हामी भरना	=	हाँ कहना

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ–

सूँड़, जंग, धक्का–मुक्की, फूँकना, जुगत, अक्ल

2. बताओ, कौन–सी बात सही और कौन–सी गलत है।

क. सभी चींटियाँ, रानी चींटी के साथ जंगल जाती थीं। (––––––)

ख. हाथी जानवरों से प्यार करता था। (––––––)

ग. रानी चींटी चुपके से हाथी की सूँड़ में घुसी। (––––––)

घ. जंगल के जानवर रानी चींटी से परेशान थे। (––––––)

3. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को पढ़ो व समझो –

अच्छा	–	बेकार	भीतर	–	बाहर
ऊपर	–	नीचे	दुखी	–	सुखी
ज्यादा	–	कम	बड़ा	–	छोटा

4. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे करो –

सूपा	सूँड़	पूँछ	पैर	पंख	चोंच	दाँत	आँखें

क. तोते की ———————— लाल होती है।

ख. हाथी की ———————— लम्बी होती है।

ग. चिड़िया के दो ———————— होते हैं।

घ. जानवरों के चार ———————— होते हैं।

ङ. कुत्ते की ———————— टेढ़ी होती है।

च. हाथी के कान ———————— जैसे होते हैं।

छ. हाथी के ———————— बड़े–बड़े होते हैं।

ज. हाथी की ———————— छोटी होती हैं।

5. गतिविधि :–

आसपास की अन्य छोटी कहानियाँ कक्षा में सुनाओ ।

6. सोंचकर बताओ –

अगली बार जब चींटी और हाथी मिलेंगे तो आपस में क्या बातचीत करेंगे ?

.... ।

.... ।

.... ।

.... ।

7. चींटी ने जंगल में क्या – क्या खाया होगा ? तुम क्या – क्या खाते हो ?

. . . .

. . . .

. . . .

. . . .

. . . .

8. चींटी को जंगल में खाने के लिए और क्या – क्या मिला होगा, उनके नाम लिखो।

....

....

....

....

9. जंगल का चित्र बनाकर रंग भरो –

33XZCT